

# LOK SABHA DEBATES

1

2

## LOK SABHA

Tuesday, April 1, 1969/Chaitra 11,  
1891 (Saka).

*The Lok Sabha met at Eleven of the  
Clock.*

[ MR. SPEAKER in the Chair ]

### ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

राजस्थान को चारा भेजने के लिये  
मालगाड़ियां

+

- \*811. श्री कंवर लाल गुप्त :  
श्री श्रीनिवास मिश्र :  
श्री सुरेन्द्रनाथ द्विवेदी :  
श्री क० लक्ष्मण :  
श्री एस० एम० कृष्ण :  
श्री बे० कृ० दास चौधरी :

क्या रेलवे मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे  
कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने राज-  
स्थान को चारा आदि भेजने के लिए समय पर  
मालगाड़ियों की व्यवस्था नहीं की; और

(ख) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में राज-  
स्थान सरकार द्वारा केन्द्र को भेजे गये पत्र का  
विषय क्या है और उस पर केन्द्रीय सरकार ने  
क्या कार्यवाही की है?

रेलवे मन्त्रालय में उप मन्त्री (श्री रोहन  
लाल चतुर्वेदी) : (क) जी नहीं।

(ख) सवाल नहीं उठता।

श्री कंवर लाल गुप्त : अध्यक्ष महोदय, यह  
सरकार इनडिस्ट्रीशन और रेडटैपिज्म की  
शिकार है। जब कोई राष्ट्रीय संकट होता  
है तो पहले तो यह सोती रहती है, जब दबाव  
आता है और जब काफी लोगों तकलीफ लोगों  
हो जाती है तब चौकती है।

राजस्थान में जो सूखा पड़ा है वह अनप्री-  
सिडेंटेट था। कोई 27384 गांवों पर उस का  
प्रसर पड़ा। करीब 1 करोड़ जनता वहां रहती  
है। अब मैं आप की आज्ञा से जो मैं ने मूल प्रश्न  
किया था उस का एक भाग और मन्त्री महोदय  
ने जो उस का उत्तर दिया वह पढ़ देना  
चाहता हूँ :

“Whether it is a fact that Government  
had not provided in time goods  
trains,” etc.

“If so, the contents of the communi-  
cation from the Rajasthan Govern-  
ment. ....”

Answer is “Does not arise.”

मैं आप की आज्ञा से 6 फरवरी के हिन्दु-  
स्तान टाइम्स की एक रिपोर्ट का हवाला देते  
हुए बतलाना चाहता हूँ जिसमें यह कहा गया है  
कि राजस्थान सरकार के रिलीफ मन्त्री हैं श्री

पारस राम मदेरन उन्होंने यह कहा है कि जहां 70 वैंगस चाहिए वहां ब्रौडगेज पर हमें केवल 35 मिल रहे हैं। इस सम्बन्ध में केन्द्रीय सरकार को भी लिखा है और उन्होंने प्राइम मिनिस्टर को भी लिखा। जो उन्होंने अर्थात् राजस्थान ने प्राइम मिनिस्टर को चिट्ठी लिखी उस की कटौट्स क्या हैं? क्या यह सही है कि जो राजस्थान गवर्नमेंट ने आप से कहा कि 70 वैंगस रोजाना चाहिए आप ने केवल 35 दिये तो उसका क्या कारण है और दूसरे उस लेटर को पढ़ कर बतलाइये कि उसके कटौट्स क्या हैं?

**रेलवे मन्त्री (डा० राम सुभग सिंह):** प्रश्नकर्ता महोदय को यह जानना चाहिए कि राजस्थान सरकार के उपमन्त्री जो कि इस से डील करते हैं उन्होंने लिखा है :

"I am writing this letter to convey our appreciation for the assistance given by the railways in the movement of fodder and of cattle from the drought-affected areas."

अब कठिनाई यह हो जाती है कि माननीय प्रश्नकर्ता महोदय केवल अखबार की ओर ध्यान देते हैं वैसे मैं इस से इंकार नहीं करता कि अखबार भी बड़े मददगार है। हम ने मुख्य मन्त्री को लिखा कि हम 70 ब्रौडगेज वैंगस और 106 मीटरगेज वैंगस देने को तैयार हैं। वहां चीफ सेक्रेटरी से उस का क्लियरेंस मांगा गया है और कह दिया गया है कि जब भी आप चाहें उसी क्षण हम उन्हें दे सकते हैं। मैं सदन को बतलाना चाहता हूँ कि पहली सितम्बर 1968 से 15 मार्च, 1969 तक की अवधि में 3813 ब्रौडगेज और 15,008 मीटरगेज वैंगस चारे से भरे गये। वहां के मवेशियों और मनुष्यों की सहायता के लिए रेलवेज पूरी शक्ति के साथ काम कर रही है।

**श्री कंबर लाल गुप्त :** मैं ने मन्त्री महोदय से प्राइम मिनिस्टर के लेटर का कटौट मांगा

था। वह उन्होंने पढ़ कर नहीं सुनाया है। उस लेटर के कटौट्स क्या हैं?

**डा० राम सुभग सिंह :** लेटर के कटौट के लिए माननीय सदस्य इतने चिंतित क्यों हैं? वहां के मुख्य मन्त्री ने हमें जो लेटर लिखा है उस में उन्होंने हमारी हैल्प को सराहा है। माननीय सदस्य को जिस बात के बारे में शुकबा हो उसे पूछ कर अपनी तसल्ली कर सकते हैं। इस के पहले भी बड़े बड़े अकाल हम लोगों ने देखे हैं और उन्हें हल किया है।

**श्री कंबर लाल गुप्त :** मेरा दूसरा सवाल यह है कि करीब 25,000 टन फौडर की जरूरत थी जो कि दूसरी जगहों से राजस्थान में जाना था। इस के अलावा बहुत सारे पशु थे, करीब 2 लाख तो गायें थीं जो अच्छी ब्रीड की थीं जिनको कि बचाना था लेकिन इन की देरी की वजह से हजारों गायें मर गयीं और दूसरे और हजारों पशु मर गये जिस में बकरियां और भेड़ें हैं वह भी हजारों की तादाद में मर गयीं क्योंकि यह वैंगस देर में पहुंचे और उस के कारण से वह स्थिति काबू में नहीं आई। 25,000 टन फौडर की जरूरत थी, डेढ़ लाख कैंटिल शिफ्ट करने थे। राजस्थान सरकार ने आप से यह मांग की थी कि आप कुछ रिआयत दीजिये फौडर के ले जाने में और कैंटिल के ले जाने में। वह रिआयत आप ने फौडर में देर से दी और वह भी आप ने स्टेजेंज में दी। मैं पूछना चाहता हूँ कि आप ने उसे स्टेजेंज में क्यों दिया, एकदम क्यों नहीं दिया, कैंटिल ले जाने में रिआयत क्यों नहीं दी? कब रिआयत मांगी गई थी और कब आप ने उसे दिया?

**डा० राम सुभग सिंह :** आप इस माननीय सदन का सभापतित्व कर रहे थे जिस दिन मैं ने जवाब दिया था। मैं ने उसी दिन यह स्पष्ट कर दिया था कि जितने वैंगस की जरूरत होगी हम लोग वहां फौडर भेजने और मवेशियों को हटाने के लिए उन्हें देने को तैयार हैं। अभी

यह आया है कनफरमेशन चीफ सेक्रेटरी का कि ठीक है 70 वॉग्स ब्रॉडगेज और 106 मीटरगेज वॉग्स हम लेंगे। यह बात बिलकुल ग़लत है कि रेलवेज के चलते इतने मवेशी और बकरियाँ मरी हैं। रेलवेज हर तरीके से सहायक रही है और आग्रह भी रहेगी। हम लोग जानते हैं कि कैसे पशुओं को खिलाना होता है और कितनी मुसीबत से उन्हें पाला जाता है मले ही माननीय सदस्य को उस का पता नहीं होगा।

**श्री कंवर लाल गुप्त :** अध्यक्ष महोदय, मेरे सवाल का जवाब नहीं दिया है। रिआयत के बारे में मैंने पूछा था।

**डा० राम सुभग सिंह :** माननीय सदस्य को मवेशियों का क्या पता है? यह रिआयत दिल्ली के व्यापारी को हम कैसे दे सकते हैं बल्कि वहाँ के जो किसान, मजदूर मवेशी पालते हैं उन्हीं को देना चाहते हैं। सारी रिआयतें दी गई हैं और माननीय सदस्य यह ग़लत भ्रम फैला रहे हैं।

**SHRI K. LAKKAPPA :** Dr. Ram Subhag Singh, the hon. Railway Minister should not fool the public and the House because today is 1st April. The question is about the non-supply of wagons in order to save the situation in Rajasthan which was drought stricken at that time. I want to know specifically when the communication from the Rajasthan Government was received by the Centre and when was it acted upon. What steps have been taken in this behalf? If the dates are known, we can see the promptness with which this Government acted.

**DR. RAM SUBHAG SINGH :** I am glad that this question has been put. The Railways are dealing with this problem since last year. It was on 9 September 1968 that we started moving livestock from Rajasthan; in consultation with the Rajasthan Government the whole matter is being handled. Whatever cattle is to be transported from the Bikaner division or Jodhpur division is transported on their account and

they are sent to the destinations where they are desired to be sent. So is the case with fodder and wherever they tell us that fodder is available and is to be transported from a particular railway station nearest to the place, from there we try to move fodder or bhusa or anything else.

**SHRI B. K. DASCHOWDHURY :** The hon. Minister said that it did not arise but in the newspaper there is a different story. In the *Statesman* dated 22 December it has been said that the Rajasthan Government did send an SOS to the Government of India for supply of wagons 30-35 to lift the cattle fodder. Any way wagon supply in the hands of the railway officers seems to be a profitable job and it appears that unless the officers are satisfied otherwise, they do not release wagons. I do not know about these allegations and the hon. Minister may clarify. I know of another place as well where whenever wagons were in need they tried to cut short the supply. Only a few months ago in Cooch-Bihar which is my constituency where jute and tobacco are grown-- the supply of wagons had been totally stopped to a few stations in Cooch-Bihar both in the meter-gauge and broad gauge.....

**MR. SPEAKER :** What is your question? It is not railway budget.

**SHRI B. K. DASCHOWDHURY :** All these goods could be booked only in a station twenty miles down Cooch-Bihar station. I should like to know whether the hon. Minister look into the matter so that there will not be any shortage or stoppage of wagons by the officers in times of need?

**DR. RAM SUBHAG SINGH :** The hon. Member is not familiar with the whole matter because this was not handled by the officials. My predecessor and colleague Mr. Poonacha did meet the Chief Minister of Rajasthan as far back as 9 October 1968 and from that time onwards the Railway Ministry has been doing its best to help the drought stricken areas in Rajasthan.

There is not comparison between Cooch-Bihar on the one hand and Bikaner and Jodhpur division of Rajasthan on the other.

**SHRI B. K. DASCHOWDHURY :** Are you agreeable to supply wagons to Cooch-Bihar ?

**DR. RAM SUBHAG SINGH :** That will be dealt with separately, not in this where we are dealing with drought.

**श्री मीठा लाल मीना :** जैसा मंत्री महोदय ने बतलाया, राजस्थान सरकार ने 70 या 75 वॉगन प्रतिदिन मांगे हैं। सवाई माधोपुर स्टेशन के लिये, राजस्थान सरकार ने इतनी ही मांग की गई थी, लेकिन अब भी केवल 30-35 वॉगन दिये जा रहे हैं बजाय इसके कि 70-75 दिये जायें। गत 5 मार्च को पश्चिम रेलवे के जनरल मैनेजर ने कहा था कि वह व्यापारियों को वॉगन इस लिये नहीं दे रहे हैं कि राजस्थान सरकार ने 70-75 वॉगन की मांग की है। लेकिन उस के उपरान्त भी 30-35 वॉगन ही दिये जा रहे हैं। उस को बढ़ा कर 40 भी नहीं किया। इस लिये गंगापुर सिटी में चारा फड़ा हुआ है और सवाई माधोपुर में चारे की बरबादी हो रही है। मैं जानना चाहता हूँ कि राजस्थान सरकार ने जो मांग की है उस को रेलवे मंत्री पूरा करेगा ?

**डा० राम सुभग सिंह :** मैं मानता हूँ कि माननीय सदस्य वहाँ की स्थिति से पूरी तरह अवगत होंगे। वहाँ हम लोग पानी भी टैंक वॉगन से भेजते हैं, और बीकानेर, जंसलमेर आदि कई क्षेत्रों से हम मवेशियों को बैसी जगहों में ले जा रहे हैं जहाँ चारा है और पानी भी है। गंगापुर सिटी से सारे पशुओं को ले कर अगर हम बाड़मेर को ले जायें, जहाँ पानी भी नहीं है तो एकदम उल्टी बात हो जायेगी और आप जो सोच रहे हैं उस से भी परिस्थिति बिगड़ जायेगी। इस लिये चारा तो वहीं रखना होगा जहाँ पानी होगा और मवेशियों को वहाँ पहुंचाना होगा। बीकानेर और जोधपुर क्षेत्र में जहाँ जहाँ पानी है वहाँ हम को चारा ले जाना होगा, और इस को बहुत सीधे समझ कर

करना पड़ता है। ऐसा नहीं हो सकता है कि जो भी नारा कोई लगा दे, हम उस के अनुसार करने लग जायें।

#### Railway Accidents

+  
\*812. **SHRI HUKAM CHAND**

**KACHWAI :**

**DR. SUSHILA NAYAR :**

**SHRI A. SREEDHARAN :**

**SHRI D. R. PARMAR :**

**SHRI P. N. SOLANKI :**

**SHRI DEVEN SEN :**

**SHRI KIKAR SINGH :**

Will the Minister of RAILWAY be pleased to state :

(a) whether it is a fact that railway accidents are on the increase as compared to the last three years ;

(b) the number of accidents that occurred on each Railway during the last three years, year-wise ;

(c) the number of persons killed or injured in these accidents, year-wise; and

(d) the measures taken for minimising the accidents ?

**THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAY (SHRI R. L. CHATURVEDI) :** (a) No, Sir.

(b) and (c). A statement is laid on the Table of the House. [Placed in Library. See No. LT--579/69]

(d) As the largest single factor responsible for accidents is failure of railway staff, Safety Organisations set up on the railway have been engaged in inculcating safety-consciousness amongst staff connected with the running of trains and in ensuring that they have a proper understanding of the prescribed safety rules. Further, spot checks are made to see that staff do not violate the safety rules and indulge in short-cut methods. Inquiries are held into all accidents and those held responsible are given deterrent punishments. In addition, if an inquiry reveals any other short comings or